मानव शक्ति या दवाव (प्रतिबल) की प्रकृति
Nature of Human strength or Stress

दवाव शब्द अनेक व्यक्तियों द्वारा अवस्था में कीर्तित मॉसपेशियों तथा धकान की कसावट तथा संकुचन की आन्तरिक भावनाओं को प्रतिबिम्बित करता है।
दवाव के अंग्रेजी भाषा के शब्द स्ट्रेस Stress की उत्पत्ति लैटिन शब्द स्ट्रिक्टस Strictus जिसका अभिप्राय है तंग या संकीर्ण तथा स्ट्रिंगर Stringere जो क्रियापद है, जिसका अर्थ है कसना या कड़े है

Hans Selye जो आधुनिक दवाव शोध के जनक कहलाते है उन्होंने दवाव की परिभाषा इस प्रकार दी है।
" किसी भी मॉंग के प्रति शरीर की अविशिष्ट अनुक्रिया है "

Lazarus एव उनके सहयोगियों द्वारा प्रतिपादित दवाव के संज्ञानात्मक सिद्धान्त के आधार पर दवाव प्रक्रिया को आगे चित्र में दर्शाया गया है।

Scanned with CamScanner

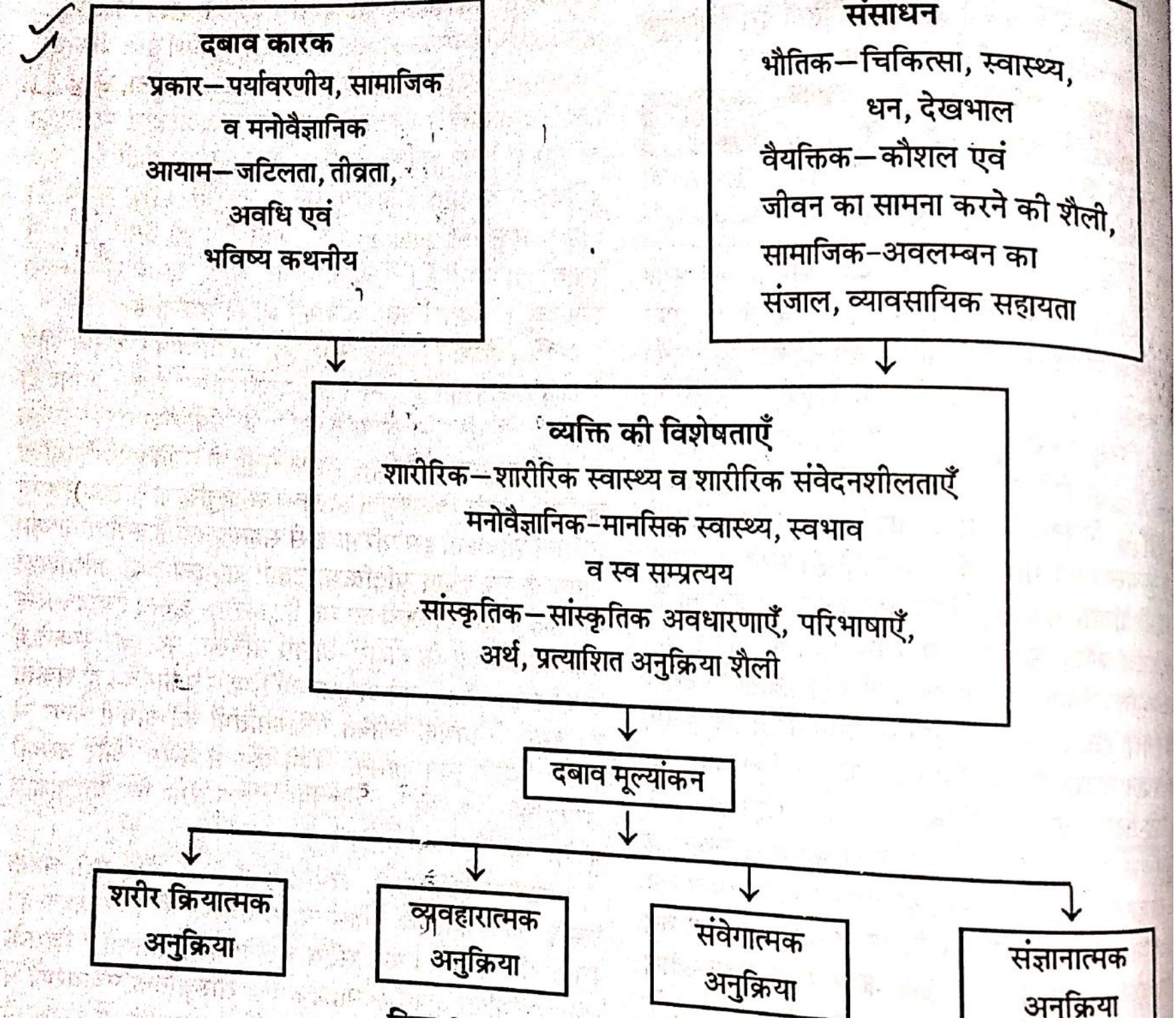

Scanned with CamScanner

मानव शक्ति ~~(अथ~~ (अथवा दबाव (प्रतिबल) प्रक्रिया

Human Strength or Stress Process

दबाव कारकों के परिणामस्वरूप अधिक से अधिक दबाव प्रक्रिया प्रतिक्रियाए व्यवहारात्मक संज्ञानात्मक, शारीरिक्रियात्मक तथा संवेगात्मक हो सकती है शरीरिर शारिरक्रियात्मक स्तर पर दबाव सम्बन्धी व्यवहारों में मानव प्रवोधन एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

Hypothalamus (हाइपोथेलेमस)

दो पथों के द्वारा क्रिया आरम्भ करता है। प्रथम पथ के अनुसार स्वायत्त तंत्रिका सम्मिलित है अधिवृक्क एड्रिनल ग्रन्थि ग्रन्थि में अधिक मात्रा में कैटेकोलामाइन्स (एपिनेफरीन तथा नार्एपिनेफ्रीन स्रावित होती है। इसी के परिणामस्वरूप वह शारीरिक्रियात्मक परिवर्तन होते है जो संघर्ष या पलायन जैसी ⇒ अनुक्रिया में सम्मिलित होते है।

द्वितीय पथ में पीयूष या पिट्यूटरी ग्रन्थि सम्मिलित होते है। जो कार्टिकोस्टीरायड (कार्टिसोल) का स्त्राव करती है तथा ऊर्जा प्रदान करती है दबाव हेतु जो संवेगात्मक प्रक्रियाएँ होती है उनमें नकारात्मक संवेग जैसे - भय, दुश्चिंता, क्रोध अवसाद, उलझन आदि शामिल होते है।

Scanned with CamScanner